SHRI O. V. ALAGESAN: There were proposals from twelve new firms.

PROCUREMENT OF PURSE SEINERS UNDER T.C.M. PROGRAMME

*119. DR. RAGHUBIR SINH: Will the Minister for FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have received two Purse Seiners under the United States Technical Co-operation Mission 1952 Fisheries Programme;

(b) if so, when they were received; and

(c) what were the other major items of equipment received by Government under this Agreement?

THE MINISTER FOR FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN): (a) Yes.

(b) In September 1955.

(c) Marine Diesel Engines, Fisning requisites, different kinds of fishing vessels, Ice and Cold Storage Plants and Insulated road vans.

DR. RAGHUBIR SINH: May I know how many more such fishing vessels were received by the Government under this scheme before?

SHRI A. P. JAIN: Only these two vessels have been received under this Agreement.

DR. RAGHUBIR SINH: May I know where these two vessels are now being used?

SHRI A. P. JAIN: These vessels were taken delivery of in Bombay and I believe they are being used near about Bombay.

संमल की रुई पर अनुसन्धान

***१२०. श्री नवाब सिंह चौंहान :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दंहरादून की वन अनुसंधानशाला में संमल की रूई पर कोई अनुसंधान किए गए हैं ; और

(ख) यदि हां, तो उस अनुसन्धान का क्या परिणाम निकला ?

t[RESEARCH ON SEMAL COTTON

*120. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether any research has been conducted on Semal Cotton in the Forest Research Institute at Dehra Dun; and

(b) if so, what is the result of such research?]

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अजित प्रसाद जैन): (क) जी हां ।

(ख) अनुसंधान के परिणाम के अनुसार मोम-रहित तथा पाउडर की हुई कपाक फ्लास (संमल रुई) बड़े अनुपात में, जो ५० प्रतिशत तक होता हैं, श्रृंगार तथा मुख के पाउडर के बनाने में मिलायी गई हैं । शुद्ध की हुई क्लास का पाउडर इस प्रकार के पदार्थों के बनाने में इसलिये उपयोगी हैं कि (१) इस की धनता मोटी होती हैं (२) वह रंग आसानी से ले सकता हैं (३) उस में चिपटने की खासियत हैं तथा (४) चिकनाई और रौनक देने की उस में योग्यता हैं ।

t[THE MINISTER FOR FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN): (a) Yes; Sir.

(b) As a result of research a high proportion up to 50 per cent, of dewaxed *>*«i powdered Kapok Floss (Semal cotton) has been incorporated in composition of Toilet and Face powder. It has been shown that the treated powder of the floss is useful in such compositions because of (a) its high bulk density, (b) its ability to take up dyes, (c) its adhesiveness and (d) its property of imparting a 'slip* and 'bloom'.]

tEnglish translation.

श्री नवाब सिंह चौहान : चेहरे पर लगाने के पाउडर को सेमल रुई से बनाने पर जो अनुसंधान हुआ है क्या उसके बारे में इस बात की परीक्षा कर ली गई है कि जिन चीजों से यह पाउडर अब बनाया जाता है उनसे यह नया पाउडर अधिक चिकना, हल्का, चमकदार और पानी सुखाने वाला होता है ? कब तक आशा करें कि यह पाउडर बाजार में आ जायेगा और उसका औद्योगिक आधार पर चलन हो जायगा ?

श्री अजित प्रसाद जैन : भारत में और भारत से बाहर इसके बारे में बहुत दिलचस्पी है और पूछताछ हो रही है । आशा की जाती है कि पाउडर के बनाने वाले जल्दी ही मार्केट में उसे भेजने लगेंगे जिससे कि जो उसका लाभ उठाना चाहते हैं जल्दी लाभ उठा सकें ।

SHRI M. M. SUR: Has any research been made about the properties of Semal cotton for cold storage purposes?

SHRI A. P. JAIN: Yes, Sir, for a number of other uses.

SHRI KANHAIYALAL D. VAIDYA: What was the result, Sir?

SHRI A. P. JAIN: Semal cotton is being used for a number of other purposes, for life belt and other life-saving appliances, and Indian cctton has proved to be as useful as Java cotton.

टमाटर पर अनुसन्धान

***१२१. श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय कृषि अनुसन्धानशाला में टमाटर की कितनी जातियों पर अनुसन्धान किया गया है और कितनों को भारतीय जलवायु के उपयुक्त पाया गया है ;

(ख) इस बात के लिये कि इन जातियों के टमाटरों के बीज कृषकों को उपलब्ध हो सकें, क्या कार्रवाई करने का विचार है ; और

(ग) चुनी हुई टमाटर की जातियों की प्रति एकड़ उपज क्या है व किन गुणों के कारण वे उपयुक्त समझी गई हैं ?

t [RESEARCH ON TOMATO

•121. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the different varieties of tomato on which research has been conducted in the Indian Agricultural Research Institute and the number of those that have been found suited to the Indian climate;

(b) the steps, if any, proposed to be taken to make the seeds of such varieties of tomato available to the farmers; and

(c) the per acre production of the selected varieties of tomato and the qualities for which they are considered suitable?]

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अजित प्रसाद जैन): (क), (ख) तथा (ग). सभा के टेबिल पर एक विवरण रख दिया गया है ।

विवरण

(क) टमाटर की देसी तथा आयात की हुई २५० से अधिक जातियों पर अनुसंधान किया गया है । इन में अमरीका की सियूक्स नाम की जाति तथा देसी मीरठी जाति अधिक आशाजनक पाई गई हैं ।

सुधारी मीरठी नाम की एक चुनी हुई जाति सियूक्स तथा मीरठी जातियों के संकर (Cross) से बनायी गई है । एक और चुनी हुई जाति, जिसका नाम पूसा लाल प्लम है, दक्षिण अमरीका के जंगली टमाटर की एक जाति से संकर द्वारा बनायी गई है । संकर जातीय (Hybrid) बीज के पैदा करने के लिये नर टमाटर की फल के उत्पन्न करने की अक्षमता तथा अन्य परिवर्त्तनशील खासियतों के मुमकिन उपयोग के संबंध में अनुसंधान चल रहा है ।

†English translation.